क्षमा करने में ही शान्ति- बी.के.शिवानी

एक ईश्वर-एक विश्व-एक परिवार विषय पर उद्बोधन

महोत्सव का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ करते हुए ब्र.कु.शिवानी, ब्र.कु.ओम प्रकाश एवं ब्र.कु.कमला दीदी। विशाल जन समूह को सम्बोधित करते ब्र.कु.शिवानी बहन

जबलपुर। जब भी मन परेशान हो या किसी पर गुस्सा आये तो बोलो ''ओम शांति''। हमारे पास दो च्वाइस होती है। एक किसी बात को पकड़ कर बैठ जाना और दूसरी उसकी स्थिति को समझना। ये मत सोचो कि उसकी बात या गलती या दी गई चोट कितनी बड़ी थी। ये सोचो कि उसका हल क्या है? यह प्रेरक विचार ब्रह्माकुमारी शिवानी बहन ने एक ईश्वर-एक विश्व-एक विश्व परिवार विषय पर गोपाल सदन मुक्ताकाश मंच से वक्त किये।

उन्होंने कहा कि भले ही लाख मेरी गलती हो, लेकिन तकलीफ़ आपको हुई है। यह बात पकड़कर न बैठें, क्योंकि इससे दर्द होता है और तकलीफ़ पूरे परिवार को होती है। इसलिये क्षमा करने में ही शांति है।

स्वार्थों में उलझे रहते हैं

समय लगता है तो बस सिर्फ यह सोचने में कि क्षमा करूं या नहीं। क्यों और किसलिये के फेर में हम फंसे रहते हैं। बहन शिवानी ने परमात्मा और भाग्य की व्याख्या करते हुये बतलाया कि परमात्मा ही सबका भाग्य लिखता है, लेकिन उसे हमारे कर्म ही बदल देते हैं। उसके दिखाये मार्ग पर चलें तो उसका लिखा कभी भी गलत नहीं हो सकता, पर हम स्वार्थों में ही उलझे रहते हैं। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा प्लेटिनम जुबली महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव का शुभारम्भ नन्हीं बालिका द्वारा स्वागत नृत्य एवं अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। भाई ओम प्रकाश इन्दौर,डॉ. बनारसी माउन्ट आबू, डॉ.अशोक मेहता, कमला दीदी रायपुर, बहन श्वेता एवं बहन शिवानी मंचासीन रहीं। स्वागत भाषण में कमला दीदी ने महोत्सव के महत्व को समझाते हुये कहा कि यह आध्यात्मिक रूहानी मिलन ही हम सबकी खुशी का कारण है

इन्दौर (वरदानी भवन)। इन्दौर नगर पालिक निगम के मेयर कृष्ण मुरारी मोघे एवं कमीश्नर योगेन्द्र शर्मा को ''हिलींग गार्डन प्रोजेक्ट'' की जानकारी देते हुए डॉ.जमीला (शांतिवन) एवं ब्र.कु.कुसुम

खण्डवा। प्लेटिनम जुबली एवं शिवजयंती पर केक काटते चर्च के पादरी एवं ब्रह्माकुमारी बहनें

इन्दौर (बैराठी कॉलोनी)। अमृत महोत्सव एवं शिवजयंती के अवसर पर सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.शारदा, मंचासीन कमलेश सिंग जी, मुख्य सेवाकेन्द्र प्रभारी ब्र.कु. शशी बहन, सैफी नगर मस्जिद प्रतिनिधि शेख मुनाखिब साहेब जी

नरसिंहपुर। प्लेटिनम जुबली महोत्सव का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ करते हुए मध्यप्रदेश विधानसभाध्यक्ष ईश्वरदास रोहाणी, भैयालाल पटेल विधायक, नगरपालिका अध्यक्ष प्रीतम पुरी, ब्र.कु.प्रभा एवं ब्र.कु.कुसुम

इन्दौर (लोकमान्य नगर) महाशिवरात्री के पावन पर्व पर आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन करते तोषनीवाल माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष भ्राता रामस्वरुप धूत जी, श्रीमती सावित्री धूत तथा ब्र.कु.संगीता बहन

मरीजों की बात परिजन की तरह सुनें, माइंड बॉडी मेडिसिन पर सेमिनार सम्पन्न

सेमिनार का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ करते हुए केबिनेट मंत्री अजय विश्नोई,बी.के.शिवानी, बीके ओमप्रकाश,डॉ.डिपी लोकवानी, डॉ.शशी खरे, डॉ.अशोक मेहता डॉ.बनारसी तथा अन्य

जबलपुर। डॉक्टर और मरीज के बीच सामंजस्य न होना चिंता का विषय है। अस्पताल तो बहुत खुल रहे हैं, पर मर्ज कम नहीं हो रहा है। मर्ज घटना भी जरूरी है। आजकल अत्यधिक व्यस्तता के कारण डॉक्टरों को गुस्सा भी आता है। इससे पाजिटिव एनर्जी समाप्त होकर निगेटिव एनर्जी आ रही है। इन सभी समस्याओं का कारण मन पर नियंत्रण नहीं होना है। मन पर नियंत्रन तभी होगा, जब हम आत्मा को परमात्मा से जोड़ेंगे। राजयोग के माध्यम से तनाव से मुक्त होकर आप मरीजों की बेहतर केयर कर सकते हैं। यह विचार बी.के. शिवानी ने वक्त किये। वे नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कालेज के आडिटोरियम में रविवार को माइंड - बाडी एवं मेडिसिन विषय पर आयोजित सेमिनार को संबोधित कर रही थी। सेमीनार का आयोजन मेडिकल कालेज एवं प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि दैनिक कार्यों में राजयोग को शामिल करके जीवन में संतुलन बनाया जा सकता है। डाक्टर कई बार मरीजों पर क्रोध करते हैं, पर आप मरीजों की बात उसी तरह सुने जैसे अपने परिजन, रिश्तेदारों की बात सुनते है। अगर उन्हें सुख देंगे तो वो हमें दुआ देंगे। म.प्र. साईन्स युनिवर्सिटी के कुलपति डॉ.डी.पी. लोकवानी ने कहा कि संतुलन के बिना कोई भी डाक्टर सफल नहीं हो सकता। मुंबई से आये मोटीवेटर एवं केंसर विशेषज्ञ डॉ.अशोक मेहता ने कहा कि सकारात्मक विचार हमारे मन को स्वस्थ रखते हैं। संस्था के इन्दौर जोन के निदेशक ब्र.कु. ओमप्रकाश ने कहा कि माइंड जो भी सोचता है उसका रिएक्शन बॉडी पर जरूर होता है। शरीर के साथ मन को भी स्वस्थ रखना चाहिये। माउंट आबू से आये डॉ.बनारसी ने कहा कि दूसरों के स्वास्थ का ध्यान रखने वाले डॉक्टर अपना भी ध्यान रखें तो ज्यादा सेवा हो सकती है। सेमिनार में मुंबई से डॉ. किरनबाला, एम्स से डॉ.ऊषा किरण, मौलाना आजाद मेडिकल कालेज नई दिल्ली के डॉ.मोहित गुप्ता भी शामील हुये। कार्यक्रम की शुरूआत में डीन डॉ.शशि खरे ने आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। संचालन डा. पुष्पा पाण्डे ने किया। डॉ.शाम जी रावत के अनुसार आयोजन में एलोपेथी, आयुर्वेद, होम्योपेथी,वेटरनरी सहित सभी विधाओं के लगभग 1000 डॉ.शामिल हुये।

तन के साथ मन का निरोगी होना भी जरुरी

राजगढ़- विश्व में आज सभी तन के स्वास्थ्य के प्रति अधिक सजग हैं। तन के स्वस्थ होते हुए भी विश्व में विभिन्न कारणों से लोग आत्म हत्या कर लेते हैं। कारण है तन को चलाने वाली शक्ति को न जानना। और यह शक्ति है आत्मा जिसके निकलते ही स्वस्थ तन भी निष्क्रिय हो जाता हैं। वर्तमान समय सभी चिकित्सा विज्ञानी मानने लगे है कि मन ही अधिकांश रोगों की जड़ है। मन का निरोगी होना अर्थात इन विकारों से मुक्त होने पर ही स्वस्थ रहना सम्भव हैं। यह विचार ब्र.कु. मधु बहन ने विश्व स्वास्थ दिवस पर आयोजित कार्यशाला मे व्यक्त किए।

कार्यक्रम में विधायक हेमराज कल्पोनी ने कहा कि मन को सकारात्मक बनाने से निश्चित ही स्वस्थ समाज की कल्पना पूरी हो सकती हैं। डॉ.ओ.पी. त्रिपाठी ने कहा कि संस्था द्वारा मन को रोग मुक्त कराने के लिए दी जाने वाली राजयोग की शिक्षा निश्चित ही तन को भी स्वस्थ रखने के लिए लाभकारी हैं। सांसद प्रतिनिधि राशिद जमील ने इस विद्यालय को रुहानी हॉस्पिटल होने का दर्जा देते हुए कहा कि यह एक मात्र स्थान है जहां रुहों में विषय विकारों को दूर करने तथा स्नेह प्रेम आदि सदगुणों को धारण करने की प्रेरणा दी जाती है। रेडक्रास के प्रदेश प्रतिनिधि प्रदीप गुप्ता, सचिव संजीव सक्सेना, डॉ.इरफान और डॉ. अभिषेक नामदेव ने भी कार्यशाला में अपने विचार व्यक्त किए। ब्र.कु.सीमा ने संस्था का परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु.तेजस्विता ने किया।